वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 37 | सोमवार 5 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फील्ड में कमजोर कांग्रेस विधायकों के टिकट खतरे में...

कर्नाटक फॉर्मूले पर टिकट बांटेगी पार्टी, हर सीट पर हो रहा सर्वे

जयपुर. कासं

कांग्रेस इस बार फिर से नहीं जीत सकने वाले मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी में है। हर सीट पर सर्वे के आधार पर हर विधायक का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। सर्वे में जिस विधायक के खिलाफ लगातार रिपोर्ट आएगी उनका टिकट खतरे में आना तय है। कर्नाटक विधानसभा चुनावों में हुई जीत के बाद कांग्रेस राजस्थान में भी उसी फॉर्मूले पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हर सीट पर कई राउंड सर्वे करवाकर फीडबैक लिया जा रहा है। सभी 200 सीटों पर शुरूआती सर्वे करवा लिए गए हैं। आगे भी कई दौर के सर्वे होंगे। जिन विधायकों की जनता के बीच छवि खराब है और जीतने की हालत नहीं है, उनके टिकट काटे जाने की तैयारी है।

प्रोफेशनल एजेंसियों से सर्वे की शुरूआती रिपोर्ट

राजस्थान चुनावों के लिए प्रोफेशनल एजेंसी से सर्वे करवाया जा रहा है। पहले दौर के सर्वे की रिपोर्ट सीएम, प्रदेश प्रभारी और हाईकमान के पास है। सर्वे के आधार पर जिताऊ उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार की जा चुकी है। जिन नेताओं के टिकट काटे जाने हैं उसकी एक शुरूआती

लिस्ट मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी ने तैयार कर ली है। हारने वाले उम्मीदवारों को सचेत भी कर दिया है और उन्हें फील्ड में मेहनत करने को कहा है।

सर्वे में हारने वाले मौजूदा विधायकों को सचेत किया

कांग्रेस ने राजस्थान में टिकट बांटने का कर्नाटक वाला फॉर्मूला अपनाने की तैयारी कर ली है। इस फॉर्मूले के अनुसार हर सीट पर पहले कई राउंड सर्वे करवाए जा रहे हैं। मौजूदा विधायक अगर हार रहा है तो उनके टिकट काटे जाएंगे। हारने वाले विधायकों को पहले से सचेत कर दिया गया है। सर्वे में हार रहे विधायकों से कहा गया है कि वे फील्ड में जनता के बीच अपना पर्सेप्शन सुधारें। आगे के सर्वे तक के लिए इन विधायकों के पास मौका है, अगर सुधार हो जाता है और आगे सर्वे में उनके पक्ष में राय आ जाती है तारे टिकट नहीं कटेंगे।

पॉल्यूशन लेवल बढ़ा

5 साल में शहर का ग्रीन एरिया 5 वर्ग किलोमीटर घटा, सबसे प्रदूषित वीकेआई; सबसे कम मालवीय नगर

जयपुर. कासं। बढ़ती आबादी के साथ शहर में हरियाली कम होती जा रही है और पॉल्यूशन का लेवल बढ़ता जा रहा है। बीते पांच साल में राजधानी में ग्रीन एरिया 5 वर्ग किमी तक कम हो गया और आबादी करीब 5 लाख तक बढ़ गई। आईआईटी कानपुर और स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की एक स्टडी के मुताबिक शहर में पार्टिकुलेट मैटर यानी प्रदूषण के कण तय मानक से दोगुना ही रहता है। इनमें पीएम10, पीएम 2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइट का उत्सर्जन बहुत ज्यादा है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2018 में जयपुर में 946.40 वर्गकिमी हरियाली क्षेत्र था, जो अब घटकर 941.94 वर्ग किमी ही रह गया। आईआईटी के रिपोर्ट के अनुसार शहर में पीएम 10 और पीएम 2.5 का लेवल तय मानक से अधिक रहता है। मानसून के दौरान पॉल्यूशन का लेवल कम रहता है लेकिन सर्दियों और गर्मियों में यह बढ़कर दुगना हो जाता है। शहर के सबसे प्रदूषित इलाका वीकेआई है, जबकि सबसे कम प्रदूषण मालवीय नगर में है। मालवीय नगर से सटे झालाना वन क्षेत्र होने से यहां प्रदूषण का स्तर कम रहता है, वहीं वीकेआई में इंडस्ट्रियल एरिया होने से पीएम 10 और पीएम 2.5 का लेवल काफी ज्यादा होता है। 2011 में जयपुर शहर की आबादी करीब 30 लाख थी। एक अनुमान के मुताबिक वर्तमान में यह बढ़कर करीब 45 लाख के आसपास पहुंच गई है। इसके अलावा इंडस्ट्रियल एरिया बढ़ा। वहीं दस सालों में 2 से 3 ऑक्सीजोन डवलप किए गए।

हाल बेहाल: जगतपुरा में 62, झोटवाड़ा में 66, सांगानेर में 40 हूपर दिए, फिर भी कचरा नहीं उठा रहा

जयपुर. कासं

ग्रेटर नगर निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियां तो शुरू कर दी है। हाल ही हर जोन में नए हूपर डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन में लगाए हैं, जिन्हें खुद मेयर सौम्या गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इसके बावजूद भी शहर की सड़कों पर कचरा डिपो देखने को मिल रहे हैं। वजह यह है कि डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन हो ही नहीं रहा। मेयर ने पिछले महीने जगतपुरा जोन में 62, झोटवाड़ा जोन में 66 और सांगानेर जोन में 40 हूपर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था, लेकिन इन

तीनों ही जोन के वार्डों में हूपर कचरा लेने नहीं जा रहे हैं। मानसरोवर तथा विद्याधर नगर जोन के वार्डों के लिए इसी महीने हूपर्स रवाना किया जाएगा। बहरहाल, जहां नए हूपर लगाए हैं, उन जोन में भी डोर टू डोर नहीं हो रहा है। वार्डों में हूपर 4-5 दिन में कचरा लेने पहुंच रहे हैं। शहर में साढ़े 6 साल पहले निगम ने डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन शुरू किया था, तब मुख्य सड़कों व चौराहों से 1145 कचरा डिपो हटा दिए थे, लेकिन घरों में कचरा एकत्र होने पर लोगों ने फिर से कचरा सड़क पर फेंकना शुरू कर दिया है तभी से सड़क पर कचरे के ढेर दिखाई देने लग गए। वह भी तब जब ग्रेटर निगम व हेरिटेज निगम ने मिलकर कुल 640 हूपर डोर टू डोर में लगाए हुए है। यही नहीं कभी हूपर सुबह 8 बजे आता है, कभी 12 बजे और कभी दोपहर बाद हूपर कचरा लेने पहुंच रहे हैं।

मॉनिटरिंग में हुए फेल

ग्रेटर निगम में जहां मुरलीपुरा व मालवीय नगर जोन में ही रियल टाइम मॉनिटरिंग होने की वजह से डोर टू डोर प्रॉपर तरह से हो रहा है। शेष 9 जोन में डोर टू डोर में ना गाड़ियां समय पर आती और ना ही डिपो ही उठ रहे हैं। हेरिटेज निगम के 100 वार्डों में रोजाना 640 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। ग्रेटर निगम में भाजपा पार्षद और हेरिटेज निगम में कांग्रेसी पार्षदों की हूपर नहीं आने की बड़ी पीड़ा है।

बिगड़ते पर्यावरण की समस्या को पुरजोर अंदाज़ में रेखांकित किया नाटक थ्रस्टी क्रो रिटर्न्स ने

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा संचालित मासिक नाट्य संध्या रंगशाला में छोड़ी छाप

राकेश शर्मा राजदीप. शाबाश इंडिया

उदयपुर। पिघलते ग्लेशियर, कटते पेड़ सिमटते जंगल, सूखती सिकुड़ती नदियां, बिगड़ता मौसम का मिजाज, प्लास्टिक और ई वेस्ट का दिन ब दिन विकराल होता रूप आज वैश्विक स्तर पर चिंता का सबब बन गया है। तमाम बुद्धिजीवी और पर्यावरण प्रेमी आने वाले कल को लेकर बहुत सोच विचार और वैचारिक मंथन कर रहे हैं। पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' में रविवार को मंचित नाटक 'थ्रस्टी क्रो रिटर्न्स' में भी इसी प्रकार की समस्या को बड़े सहज लेकिन संजीदगी से रेखांकित किया गया। जिसमें मंचस्थ कलाकारों ने पशु - पक्षियों के मुखौटे लगाकर एक ओर जहां चुटीले संवादों से दर्शकों को गुदगुदाया वहीं दूसरी ओर सटीक प्रस्तुति के दम पर प्रदूषण से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के लिए भी चेताते हुए सोचने पर मजबूर किया। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के मनीष जोशी द्वारा लिखित और पश्चिम बंगाल के नाट्य निर्देशक सुवोजित बंद्योपाध्याय द्वारा निर्देशित इस नाटक में तकरीबन सभी पात्रों ने अपनी दमदार अदायगी के बूते सभागार में मौजूद दर्शकों से खासी दाद पाई। नाटक में सौरभ चक्रबर्ती (कौवा) देबब्रत पाल (लोमड़ी) अनिरुद्ध बिस्वास (शेर) शांतनु पांडा (खरगोश और जिराफ) दीपक समादार (शिकारी) अशोक कामिला (घोडा) अर्णब ढाल (जेब्रा) प्रियंकर मंडल (गाय) प्रबीर कुमार संधुखा (पानी वाला) तानिया चटर्जी (कोयल) पूजा दासगुप्ता (उल्लू) एरिना भौमिक (लड़की और चूहा) के किरदारों को बड़ी तन्मयता से निभाया। इस नाट्य प्रस्तुति के सूत्रधार की भूमिका पिछले माह केंद्र द्वारा आयोजित एंकरिंग वर्कशॉप में से चयनित युवा श्री कृष्ण मोहता ने बखूबी निभाई। कार्यक्रम अधिकारी विलास और वरिष्ठ रंगकर्मी जानवे ने बताया कि अंत में पूर्व चीफ कंजरवेटर ऑफ फोरेस्ट और ग्रीन पीपल सोसायटी अध्यक्ष राहुल भटनागर ने नाट्य निर्देशक को केंद्र की ओर से पिछवाई पोर्टफोलियो देकर सम्मानित किया। वहीं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दिनेश कोठारी और पूर्व अतिरिक्त निदेशक एच एल कुणावत ने सभी कलाकारों को माला पहना कर स्वागत किया।'

श्रीमती मीनल जैन

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु: आकाश जैन (पति),
टीकम चंद - दीपशिखा जैन (सास-ससुर)

श्री दिगम्बर जैन महावीर जिनालय, तिलक नगर, जयपुर

परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज के
अन्तिम दीक्षित शिष्य

पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज

भव्य मंगल प्रवेश

गुरुवार, दिनांक 8 जून, 2023
प्रातः 7.15 बजे

प्रातः 7.15 बजे पूज्य उपाध्याय श्री तुलसी सर्किल, तिलक नगर से
भव्य जुलूस के साथ
मन्दिरजी प्रांगण में भव्य मंगल प्रवेश करेंगे

पूज्य गुरुदेव का मंगल उपदेश...धर्मसभा
शुक्रवार, दिनांक 9 जून, 2023
प्रातः 8.15 बजे.. मन्दिरजी प्रांगण

दिनांक 8-9 जून, 2023
: प्रवास एवं आहार चर्या:
बी-59-बी, यश पथ, तिलक नगर रहेगी।

आप सादर आमंत्रित हैं।
निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज,
तिलक नगर, जयपुर

: सम्पर्क सूत्र :
शिखरचन्द -सुशीला बैराठी • विकास-निधि बैराठी
98290-62299 / 98290-87476

वेद ज्ञान

मनुष्य के हाथ में कुछ नहीं

यदि मनुष्य के हाथ में कुछ होता तो वह मनचाहा जीवन जीने की प्रभुता रखता संसार में जो भी जिसे मिला है वह महज प्रभुकृपा से ही। वह उतनी ही देर उस पद अथवा सत्ता पर आसीन रह सकता जितनी देर प्रभुकृपा से उसे अवसर प्राप्त हुआ है। अनादि काल से यह चराचर सृष्टि उस असीम प्रभुसत्ता की न्यायप्रिय बागडोर से ही अधिशासित है। यह व्यवस्था इतनी सुव्यवस्थित है कि कभी इसने किसी जीव के साथ किंचित भी अन्याय नहीं किया है। इस दुर्लभ जीवन का कोई भी सुअवसर प्रभुकृपा के बगैर संभव नहीं है। इस संसार में संपूर्ण जीवजाति अपने विगत कर्मों की शुचिता व अशुचिता के क्रम में जन्म ग्रहण करती है, लेकिन सभी को वही कुछ नहीं नसीब हो पाता है जिसकी आवश्यकता उसे महसूस होती है अथवा जिसे वह प्राप्त कर लेना चाहता हो। अपने पुण्यकर्मों के प्रभाव से प्राप्त पद की गरिमा, शक्ति व चकाचौंध में अज्ञानता से वशीभूत होकर वह समय व अपने अधीनस्थों को अपने निदेशों से निर्देशित करना चाहता है। वह भूल जाता है कि यहां जो कुछ भी मिला है वह महज प्रभुकृपा से ही सुलभ हुआ है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंचने के दो ही सूत्र हैं। एक कार्य के प्रति संघर्षयुक्त निष्ठा (ईमानदारी) और दूसरा जो प्रमुख कारक है वह है प्रभुकृपा। जीवन के महासंग्राम में सभी सैनिक अपने-अपने उद्देश्यों और आदर्शों की लड़ाई लड़ते हैं, लेकिन योग्यता, क्षमता व प्रचुर शक्ति के होते हुए भी विजयश्री उसी को मिलती है जिस पर महज प्रभुकृपा होती है। जीवन में हर व्यक्ति संघर्ष व मेहनत करता है। चुनाव में असंख्य लोग अपना अथक श्रम, पैसा व शक्ति लगाकर भाग्य आजमाते हैं, लेकिन विजयश्री की कुर्सी व पद उसे ही प्राप्त होता है जिसे प्रभुकृपा का प्रसाद कवच रूप में प्राप्त होता है। प्रभुसत्ता के समक्ष संसार की सारी सत्ताएं धरी की धरी रह जाती हैं। उसके बगैर वे वैभव व श्रीहीन हो जाती हैं। यदि मनुष्य के हाथ में कुछ होता तो वह मनचाहा जीवन जीने की प्रभुता रखता, लेकिन एक क्षण भी वह प्रभुकृपा की स्नेह-छांव के बगैर जीवन यात्रा का पग आगे नहीं बढ़ा सकता।

संपादकीय

नई राह पर भारत...

जी से बदलती प्रौद्योगिकी ने यह सिद्ध कर दिया है कि नवाचार और अनुसंधान ही विकास का महत्वपूर्ण विकल्प हैं। नवाचार और अनुसंधान ही यह तय करेगें कि 21वीं सदी किसकी होगी। नए भारत के निर्माण में तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी, संचार, स्वास्थ्य, रक्षा, अंतरिक्ष, ड्रोन, टिकाऊ ऊर्जा, रोबोट, चिप निर्माण, फिनटेक, बायोटेक, नैनो तकनीक आदि के साथ-साथ फार्मा, सुपर कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और हाइड्रोजन मिशन विकास को एक नया आयाम दे रहे हैं। इससे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास लक्ष्यों जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में भारत का प्रौद्योगिकी विकास इकोसिस्टम वैश्विक स्तर का हो चुका है। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, लेजर और जेनेटिक इंजीनियरिंग आदि विकास में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। तकनीकी सफलताओं के सकारात्मक परिणाम आर्थिक संवृद्धि के रूप में दिखने लगे है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2050 तक भारत अमेरिका को पछाड़कर विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और दुनिया के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान देगा। अमृतकाल की समाप्ति तक भारत के एक विकसित देश बनने की संभावना है। इसकी झलक वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनी मोर्गन स्टेनले की ताजा रपट भी कर रही है। वहीं, विज्ञान एवं तकनीकी विकास की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में प्रौद्योगिकी लेनदेन के लिए सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में तीसरे स्थान पर है। भारत बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग वाले देशों में शामिल हो चुका है। विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएचडी की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 2020-21 में भारत ने कुल पेटेंट आवेदनों के 40 प्रतिशत दायर किए, जो 2010-11 के आंकड़े के दोगुने से भी अधिक हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के अनुसार 2015 में भारत 81वें स्थान से 2022 में 40वें स्थान पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की रैंकिंग में भारत 46वें स्थान पर था। जिस तेजी से प्रौद्योगिकी में सुधार होगा, उतनी ही तेजी से भारतीय अर्थव्यवस्था भी बढ़ेगी। दक्षिण कोरिया और सिंगापुर के उदाहरण हमारे समक्ष हैं कि ये देश उन्नत तकनीकी के बल पर बहुत ही कम समय में विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने में सफल रहे। नवीनतम प्रौद्योगिकी नई औद्योगिक क्रांति की आधारशिला तैयार करती है। नई सेवाओं और उद्योगों को बढ़ावा मिलने से सार्वजनिक निवेश को सर्वाधिक आर्थिक रिटर्न मिलने लगता है। कार्यबल में महिलाओं का योगदान बढ़ने से रोजगार सृजन भी बढ़ता है। यद्यपि डिजिटलीकरण के विस्तार ने अर्थव्यवस्था को गति दी है, पर भारत को औद्योगिक विश्व व्यवस्था की धुरी बनाने के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारत-नेपाल रिश्तों पर चढ़ा नया रंग

भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक तौर पर मजबूत रहे हैं। लेकिन वक्त के साथ बदलती दुनिया में जिस तरह की नई भू-राजनीतिक परिस्थितियां बन रही हैं, उसमें उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है और उसी मुताबिक दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों को लेकर कई बार अस्पष्टता भी बनी। लेकिन नेपाल के प्रधानमंत्री की ताजा भारत यात्रा से एक बार फिर इन रिश्तों में पुराना दोस्ताना रंग दिखा है। इस दौरान जिस तरह सीमा विवाद सहित कुछ अन्य उलझे हुए मुद्दों को किनारे रख कर बाकी मसलों पर सहमति कायम करके साझेदारी का नया सफर शुरू करने की कोशिश दिखी है, उससे उम्मीद बंधती है कि सीमा से सटे पड़ोसी होने के नाते दोनों देश अब विश्व में बनते नए समीकरण को देख-समझ कर उसी मुताबिक अपने रिश्तों के नया आयाम देने की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ साल छोड़ दिए जाएं तो भारत और नेपाल की मित्रता एक उदाहरण रही है। गौरतलब है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों में बातचीत के बाद मुख्य बात यह उभर कर सामने आई है कि सीमा विवाद सहित कुछ अन्य मुद्दों को भविष्य में विचार करने के लिए छोड़ कर दोस्ती को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। निश्चित रूप से यह वक्त का तकाजा समझ कर कूटनीतिक मोर्चे पर नए सिरे से विचार करके भविष्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़े कदम हैं, जिसमें सभी देशों को यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि आने वाले वक्त में कैसी परिस्थितियां बनने वाली हैं और उसमें उनके नागरिकों के अधिकतम हित कैसे तय हों! इस लिहाज से देखें तो दोनों देशों ने नए सिरे से संबंधों को सद्भाव की बुनियाद पर मजबूती की ओर बढ़ाने का फैसला किया है। एक ओर जहां भारत के प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि दोनों देश अपने रिश्तों को हिमालय जितनी ऊंचाई देने के लिए काम करते रहेंगे, वहीं नेपाल के प्रधानमंत्री ने भी सदियों पुराने और बहुआयामी संबंधों को संप्रभु समानता, आपसी सम्मान, समझ और सहयोग के समय की कसौटी पर खरे उतरे सिद्धांतों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित बताया। यह बेवजह नहीं है कि पिछले कुछ सालों में भारत और नेपाल के बीच आए ठंडेपन के बाद अब सात समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन का विस्तार, एकीकृत जांच चौकियों के विकास के अलावा पनबिजली में सहयोग बढ़ाने से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। एक अहम सहमति इस बात पर बनी है कि संशोधित भारत-नेपाल संधि के जरिए यह प्रावधान किया गया है कि नेपाल के लोगों के लिए नए रेल मार्गों के साथ ही भारत की अंतरदेशीय जलमार्ग सुविधा का वहां के लोग प्रयोग कर सकें। दरअसल, भारत की यह एक वाजिब चिंता रही है कि हाल के वर्षों में चीन ने जिस तरह सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण नेपाल पर अपना प्रभाव कायम करने की कोशिश की है, उससे नई समस्या खड़ी हो सकती है। खासतौर पर इसलिए भी कि चीन का रवैया भारत के प्रति सकारात्मक नहीं है और वह छोटी-छोटी बातों पर भारत को परेशानी में डालने की कोशिश करता रहता है। भारत के सीमावर्ती इलाकों में उसकी अवांछित गतिविधियां अब छिपी नहीं हैं। इसके मद्देनजर नेपाल में उसकी दिलचस्पी की मंशा का अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए अब नेपाल के साथ भारत के संबंधों के नए आयाम खुल रहे हैं, तो यह भारत के लिए कूटनीतिक स्तर पर भी जरूरी पहल है।

ये महकते दरख़्त

नियति की परिपाटी फिर से,
दोहराई जा रही थी।
पुश्तैनी संपत्ति फिर से,
बंटबाई जा रही थी ।
भाई-भाइयों की उलझनें,
सुलझाई जा रही थी।
भोजाइयों के हिस्से में,
बेश कीमती उपहार आए।
भाई-भतीजो के हाथों में,
जमीनों के पट्टे पकड़ाए ।
बेटियों की ओर देखते हुए,
जज साहब मुस्कुराए।
ओर बोले तुम्हारे हिस्से में,
आखिर क्या नाम किया जाएं।
बुआ-भतीजी ने एक दूसरे की
तरफ देखा और बोली ।
साहब बस हमारी बचपन वाली,
यादें सदैव जीवित रखी जाएं।
हमारे दादा,परदादा की
अमूल्य धरोहर प्रकृति
सदैव ऐसे ही खिलखिलाएं।
पुश्तैनी संपत्ति के चारों ओर
ये महकते दरख़्त ना कटवाएं जाएं।
चाहे वंश मेरा तरक्की की लाख
सीढ़ियां चढ़ जाएं।
जज साहब फिर से मुस्कुराए
और लिख दिया।
प्रकृति को सजो कर रख देने
का संदेश अगली पीढ़ी के लिए।
जज साहब वकील से बोले
सभी बहन बेटियों के
हस्ताक्षर करवा लिए जाएं।

डॉ .कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

श्री संजय ठोलीया-श्रीमती कविता ठोलीया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानीय सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ
(5 जून 2023) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

Happy Anniversary

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,
संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री अजीत दीवान - श्रीमती सुनीता (मंजू)

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानीय सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ
(5 जून 2023) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

Happy Anniversary

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,
संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

50वें अवतरण दिवस 10 जून पर विशेष

जयपुर गौरव-तपस्वी मुनि विशाल सागर

शाबाश इंडिया

दिगम्बर सन्त तपस्वी मुनि विशाल सागर का जन्म 10 जून, 1973 को राजस्थान की राजधानी जयपुर में सांगा का रास्ता सांगा का भवन में श्रीमती पदमा देवी की कोख से हुआ आपके पिता का नाम श्री माणकचन्द जैन पाण्ड्या था। माता-पिता बहुत ही धार्मिक प्रवर्ती के थे नित्य सांगा का मन्दिर व चौकड़ी मोदी खाना क्षेत्र के विभिन्न जिनालयों में दर्शन पूजन पाठ कर अपनी दैनिकचर्या आरम्भ किया करते थे। माणक चंद जी के पाँच सन्तान थी - सुनील, अनिल, सुधीर, सुनीता, व अनिता जैन। इनमें तीसरे नम्बर के सुधीर जैन ही आगे चलकर जयपुर जैन समाज के गौरव के रूप में मुनि विशाल सागर के नाम से प्रख्यात हुए। भैया सुधीर की प्रारम्भिक शिक्षा बाल शिक्षा मंदिर महावीर पार्क स्कूल, श्री दिगम्बर जैन महावीर स्कूल व अग्रवाल स्कूल जयपुर में हुई। गुप्ता कॉलेज व जयपुर कॉलेज में भी अध्ययन किया। जौहरी बाजार गोपाल जी के रास्ते में जवाहरात की गद्दी पर बैठकर नगीनों की छटाई व ज्वैलरी का कार्य भी किया।

बड़े भाई अनिल जैन के साथ मिलकर व्यापार किया। सन् 1998 में फाइनेन्स व चिटफंड कम्पनियों में धोखाधड़ी होने से काफी नुकसान हुआ। इन सबसे आहत होकर भाई सुधीर दशलक्षण पर्व में सन् 1999 में अलवर में जैन भवन में लगने वाले श्रावक संस्कार शिविर में शामिल हुये वहाँ मुनिश्री सुधा सागर जी के आशीर्वाद से प्रथम बार दशलक्षण पर्व में दस उपवास किए।

यही से धर्म में विशेष रूचि जाग्रत हुई वही सांसारिक कार्यों के प्रति उदासीनता का भाव आता चला गया ओर श्री महावीर जी में महावीर जयन्ती के दिन आचार्य श्री शान्ति सागर जी

महाराज (पोरसा वाले) से ब्रह्मचर्य व्रत का नियम धारण किया तथा बाद में सिद्धार्थ नगर जयपुर के श्री महावीर जिनालय में प्रतिदिन अभिषेक पूजन व नगर में आने वाले सन्तों की सेवा में सक्रिय रहे। भैया सुधीर ने मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ते हुए 22 अगस्त 2004 को जौहरी बाजार में वर्षायोग कर रहे मुनिश्री विशद सागर जी से 7 प्रतिमा के नियम अंगिकार किये।

संयोग नव दीक्षित आचार्य से दीक्षा

13 फरवरी 2005 के विशेष दिन मालपुरा की धरती पर आचार्य श्री विराग सागर जी के आशीर्वाद से आचार्य श्री भरत सागर जी ने मुनिश्री विशंद सागर जी को आचार्य पद के संस्कारों से संस्कारित किया और इसी शुभ दिन जयपुर के सुधीर जैन को नव दीक्षित आचार्य परमेष्ठी श्री विशद सागर जी ने मुनि दीक्षा देकर मुनि विशाल सागर जी के नाम से अलंकृत किया। जिनका प्रथम चातुर्मास निवाई में हुआ।

विशाल सागर के साधनामय तप

विशाल सागर इस संसार रूपी विशाल सागर से निर्वाण के पथ पर बढ़ते गए और तप त्याग वृत्त उपवास के कठिन मार्ग पर चलते हुए पहुँचे तीर्थ राज सम्मेद शिखरजी । तीर्थराज सम्मेद शिखर की गौतम गणधर टोंक में चरणों के समीप लगातार 157 घण्टे तक रहकर कठोर काय क्लेश तप आत्म ध्यान साधना खड़गासन योग जप तप साधना कर देश की समग्र जैन समाज में जयपुर का नाम रोशन किया। परम पूज्य आचार्य श्री विशद सागर जी के आशीर्वाद

आलेख - पदम जैन बिलाला
अध्यक्ष - श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
जनकपुरी - ज्योतिनगर जयपुर

से मुनिश्री ने पहाड़ की 25 टोकों में हर एक कूट की लगातार 1008-1008 वन्दना की जो आज से पूर्व किसी भी श्रावक या त्यागी व्रती द्वारा नहीं की गई। इस प्रकार देश के इकलोते सन्त बने, जिन्होंने यह दुर्लभ कार्य किया। शिखर जी में 3 मई, 2022 से 8 मार्च, 2023 तक मुनिश्री ने पहाड़ की 306 बार चरण वन्दना की जो अपने आप में एक इतिहास है। 496 उपवास एवं 61 पारणा करने वाले सिंह निष्क्रीड़ित व्रतधारी अन्तर्मना आचार्य श्री

13 फरवरी 2005 के विशेष दिन मालपुरा की धरती पर आचार्य श्री विराग सागर जी के आशीर्वाद से आचार्य श्री भरत सागर जी ने मुनिश्री विशंद सागर जी को आचार्य पद के संस्कारों से संस्कारित किया और इसी शुभ दिन जयपुर के सुधीर जैन को नव दीक्षित आचार्य परमेष्ठी श्री विशद सागर जी ने मुनि दीक्षा देकर मुनि विशाल सागर जी के नाम से अलंकृत किया। जिनका प्रथम चातुर्मास निवाई में हुआ।

प्रसन्न सागर जी के स्वर्ण भद्र कूट पर होने वाले हर पारणे में मुनिश्री शामिल रहे। एक बार तो कही पारणा देखने से वंचित न रह जाए मुनिश्री ने बीस पंथी कोठी विमल छतरी से स्वर्ण भद्र कूट तक की चढ़ाई मात्र रिकार्ड समय 75 मिनट में पूरी कर एक दुर्लभ कार्य किया। मुनिश्री ने पहाड़ की 5 बार पद परिक्रमा भी की। शिखर जी में जनवरी माह में हुए प्रदर्शनों के दौर में 15 जनवरी को ज्ञानधर कूट पर असमाजिक तत्वों द्वारा किए उपसर्ग रूपी अभद्र व्यवहार को शांत भाव से सह कर मुनि की शान्त व सहनशील छवि का उदाहरण पेश किया । शिखर जी प्रवास के 10 महिने में 108 व्रत-उपवास कर साधना की।

इस प्रकार जयपुर गौरव मुनिश्री विशाल सागर जी महाराज ने अपने आत्म कल्याण व साधना के उच्च मार्ग पर चलते हुए जैन नगरी जयपुर का नाम रोशन किया।

कई-कई घण्टे लगातार बैठकर तपस्या करना, कई-कई घण्टे लगातार खड़गासन में साधना करना तथा पाँच हजार से अधिक वृत उपवास कर चुके मुनिश्री विशाल सागर जी महाराज, जो कि गुरुवर विशद सागर जी की छत्रछाया में पिछले 19 वर्ष से साधनारत है, के चरणों में शत शत नमन।

(सौजन्यः धन कुमार जैन,जनकपुरी जयपुर)

नॉर्मल डिलीवरी की तुलना में सीजेरियन सेक्शन डिलीवरी के क्या फायदे और नुकसान हैं?

कल हमारे डॉक्टर्स की टीम के साथ सिजेरियन सेक्शन चैप्टर शुरु हुआ था उसे ही आज आगे बढ़ाते हैं। टिपण्णी में एक जिज्ञासा आई थी कि जब इतना सेफ और आसान ऑपरेशन है तो नॉर्मल डिलीवरी के दर्द से बचने के लिए सिजेरियन सेक्शन में क्या बुराई है?

मैं ने वेटेरिनरी सर्जरी के सैकड़ों सिजेरियन सेक्शन ऑपरेशन देखे हैं। यह सोच गलत है कि सिजेरियन सेक्शन छोटा ऑपरेशन है। आजकल इतनी ज्यादा संख्या में सफलतापूर्वक होने का यह मतलब नहीं हुआ कि ऑपरेशन छोटा मोटा है।

मेजर सर्जरी है जिसमें पेट पर बड़ा सा चीरा लगता है फिर स्किन के नीचे के टिश्यू कटते हैं इसके बाद मांशपेशियां कटती हैं। अब जाकर बच्चेदानी एक्सपोज होता है। उसमें भी बड़ा सा चीरा लगा बच्चा हाथ से बाहर निकाल लिया जाता है। ऑपरेशन के दौरान क्या गड़बड़ हो सकती है इस पर नहीं जाता हूं। काटना आसान है पर अभी सबको अलग अलग सिलाई कर बंद भी करना है। बच्चेदानी के अलग सुचर लगा बंद होगा। मांसपेशियों की अलग सिलाई होगी और अंत में त्वचा की अलग जो बाहर से दिखाई देगा। इतने लेयर में कटने और सिलने में हर समय इन्फेक्शन की संभावना रहती है।

जहां जहां कटा वहां सामान्य टिश्यू नहीं आते। हीलिंग फाइबरस कनेक्टिव टिश्यू से होती है जिसे स्कार भी कह सकते हैं। त्वचा का स्कार बाहर से दिखता है अंदर भी वैसा ही बनता है पर दिखता नहीं। यही कारण है कि सिजेरियन सेक्शन से दो तीन से ज्यादा बच्चे में खतरा बढ़ जाता है। दूसरा ऑपरेशन भी पहला से ज्यादा जटिल होता है। बच्चेदानी में नॉर्मल टिश्यू के जगह स्कार हैं, जिनमें इलास्टिसिटी नहीं। बच्चेदानी को प्रेगनेंसी में बढ़ कर बड़ा होना पड़ता है। स्कार टिश्यू ज्यादा होने से खतरा होता है। अब उत्तर लंबा हो जाएगा। दोनों की तुलना पर आते हैं। सिजेरियन सेक्शन जच्चा बच्चा की जान बचाने के लिए वरदान साबित हुआ है। कई प्रेगनेंसी में यह अपरिहार्य भी है। सिजेरियन सेक्शन नहीं होगा तो बच्चा, मां या दोनों की मौत हो जाएगी। जब यह तकनीक नहीं आई थी तो बच्चे पैदा करना खतरे का काम था और बादशाहों की बेगम भी इस प्रक्रिया में मृत्यु को प्राप्त हुईं। बहुत सी परिस्थितियों में यह वरदान है। इसके बिना जान नहीं बचेगी। एक इसका छोटा सा फायदा यह भी है कि कुछ हद तक यह पिशाब पर नियंत्रण ना रह पाना वाली स्थिति से बचाव में सहायक हो सकता है। नॉर्मल डिलीवरी में दर्द की वजह से यह स्थिति आने की संभावना ज्यादा है।

प्रश्न यह है कि अगर नॉर्मल डिलीवरी हो सकती है तब भी सिजेरियन सेक्शन चुनने में बुराई क्या है?

मेरा मानना है कि नॉर्मल डिलीवरी का विकल्प चुनना बेहतर है। हॉस्पिटल से एक दो दिन में छोड़ने का मतलब यह नहीं कि एक दो दिन में रिकवरी हो गई। जैसा मैने लिखा कि बड़ा ऑपरेशन है और पूर्ण रिकवरी में कई सप्ताह से महीनों लग सकते हैं। ऑपरेशन से जुड़ी कोई छोटी सी परेशानी वर्षों रह सकती है जैसे जहां चीरा लगाया गया था वहां इरीटेशन होते रहना। सिजेरियन सेक्शन में आपको ज्यादा दिन हॉस्पिटल में रुकने की संभावना है। ब्रेस्टफीडिंग में भी विलंब की संभावना बढ़ जाती है। जच्चा और बच्चा को फिर से हॉस्पिटल आना पड़े इसकी संभावना भी ज्यादा होने की आंकड़े गवाही देते हैं। सिजेरियन महंगा भी है। ब्लड लॉस और ब्लड क्लॉट की संभावना हैं। जहां चीरा लगा वहां कई दिन दर्द बना रहता है। यह सही है कि कुछ ऐसी

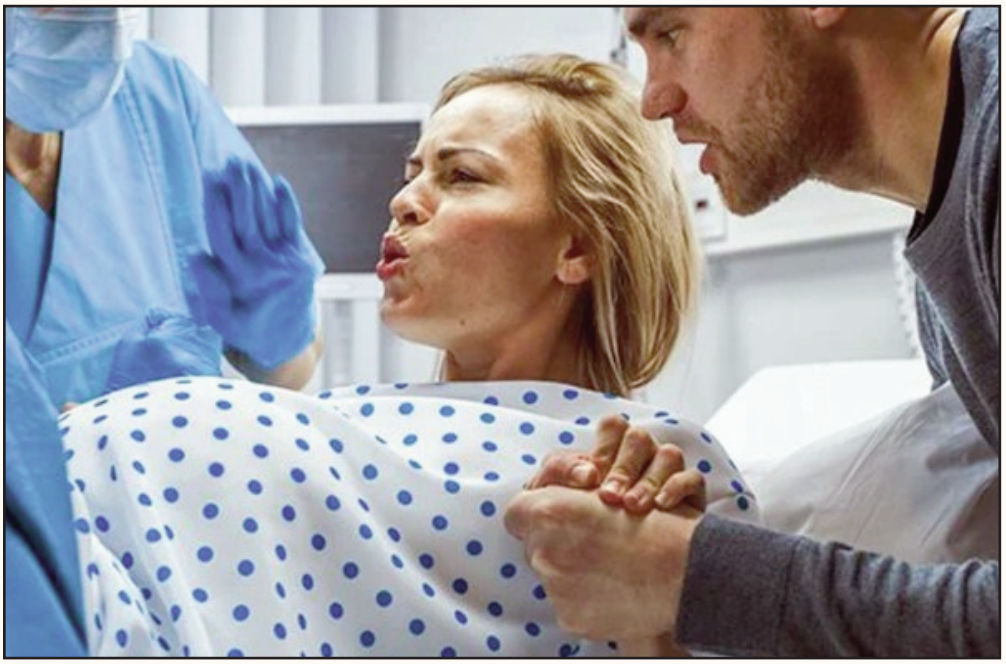

परिस्थितियां हैं जहां सिजेरियन से ही जान बचती है, नॉर्मल में मौत हो जाती परंतु यह भी सच है कि रक्तस्राव, क्लोट से खून का बहाव रुकने (थ्रोंबोसिस), इन्फेक्शन से सेप्सिस होने और एम्नायोटिक फ्लूइड से थ्रोंबोसिस होने की संभावना के कारण

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

सिजेरियन ऑपरेशन में नॉर्मल से पांच गुना ज्यादा मौतें होती हैं। सिजेरियन सेक्शन से पेसेन्टा से जुड़ी परेशानियां, बच्चेदानी के फट जाने जैसी जानलेवा समस्याएं अगली प्रेगनेंसी में बढ़ जाती हैं। पहला अगर सिजेरियन सेक्शन हुआ है तो अगले प्रेगनेंसीज में भी नॉर्मल होने की संभावना कम हो जाती है। पेट की मांसपेशियां हमेशा के लिए कमजोर हो जाती है। बिना जरूरत सिजेरियन सेक्शन से बच्चे को भी खतरा होने की ही संभावना ज्यादा है। नॉर्मल वे डिलीवरी में बच्चा जब वेजायना से मुश्किल से पार होता है तो वहां मौजूद कुछ जीवाणुओं से उसमें उनके प्रति इम्यूनिटी आ जाती है। नॉर्मल डिलीवरी से हुए बच्चे में वैसे भी अस्थमा, कुछ स्किन एलर्जी, ग्लूटेन एलर्जी आदि के लिए ज्यादा प्रतिरोधक क्षमता होती है। स्टिल बर्थ (मृत बच्चे के जन्म) की संभावना भी सिजेरियन सेक्शन में ज्यादा है। नॉर्मल डिलिवरी का एक और फायदा यह भी है की मां और बच्चे का मिलन ज्यादा जल्दी हो पाता है। उत्तर अभी ही इतना लंबा हो गया पर पिछले उत्तर में मैने पाया कि यहां पर ज्यादा सिजेरियन वाले ही पाठक हैं इसलिए बिना कुछ फायदा बताए छोड़ दिया तो उन्हें निराशा होगी। लिख ही देता हूं। नॉर्मल डिलीवरी में बच्चे के जन्म की प्रक्रिया लंबी और दर्द भरी है। मां में पर्याप्त शारीरिक और मानसिक मजबूती होनी चाहिए। नॉर्मल डिलीवरी में वेजायना इतना ज्यादा स्ट्रेच होता है कि स्थाई इंजरी हो सकती है। कई बार एपिसियोटॉमी करनी ही पड़ती है और टांके लग ही जाते हैं। ओवर स्ट्रेचिंग से यूरीन और स्टूल पर नियंत्रण खत्म हो सकता है जो कभी कभी जीवन भर भी रह सकता है। फिर भी मेरा मानना है कि दोनों विकल्प संभव हो तो नॉर्मल का विकल्प चुनना ही सही है।

सिजेरियन सेक्शन से पेसेन्टा से जुड़ी परेशानियां, बच्चेदानी के फट जाने जैसी जानलेवा समस्याएं अगली प्रेगनेंसी में बढ़ जाती हैं। पहला अगर सिजेरियन सेक्शन हुआ है तो अगले प्रेगनेंसीज में भी नॉर्मल होने की संभावना कम हो जाती है। पेट की मांसपेशियां हमेशा के लिए कमजोर हो जाती है।

विप्र बैंक के लिए युवा समाजसेवी राजीव कश्यप ने की 21 लाख रुपए की घोषणा

समाज बंधुओं ने किया कश्यप का स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

खनन व्यवसायी, प्रमुख समाजसेवी व विप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव कश्यप ने विप्र बैंक के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। कश्यप ने यह घोषणा हाल ही में अलवर थानागाजी में हुए विप्र महाकुंभ के दौरान की। कश्यप ने बताया कि इस बैंक का उद्देश्य है कि समाज के गरीब जरूरतमंद तबके के सामाजिक उत्थान के लिए शिक्षा,गरीब बालिकाओं के विवाह,युवाओं के रोजगार दिलाने में मदद की जा सके। इस मौके कश्यप का कला व संस्कृति मंत्री डॉ.बीडी कल्ला,फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज,कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव प्रवक्ता राधाबल्लभ शर्मा,अलवर विधायक संजय शर्मा आदि ने दुपट्टा,माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान गलता पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज, सोमेंद्र जी महाराज, प्रकाश जी महाराज, पूर्व मंत्री डॉ. रोहिताश्व शर्मा, पूर्व विधायक शंकर लाल शर्मा, मीडिया समन्वयक विमलेश शर्मा, भाजपा के पूर्व अलवर जिलाध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, विप्र फाउंडेशन प्रदेशध्यक्ष राजेश कर्नल,महामंत्री सतीश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, एसएमएस अस्पताल जयपुर के विप्र आरोग्य राजेश शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक पारीक,, विप्र कल्याण बोर्ड संरक्षक भूदेव शर्मा , संत जयराम दास, पांडुपोल मंदिर महन बाबूलाल शर्मा, मिश्रीदास महाराज नरेन्द्रदास, अभिषेक मिश्रा, सुनील बोहरा, ग्रेटर अध्यक्ष मनोज पांडे, महिला विंग अध्यक्ष भारती शर्मा, सार्वजनिक निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड सदस्य कृष्ण गोपाल कौशिक, देशबंधु जोशी राष्ट्रीय श्रवण दल प्रदेश प्रभारी, आचार्य मनोहर सहित अनेक साधु-संत और प्रदेशभर से आए विप्र जन मौजूद रहे। सभी ने कश्यप का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बच्चों को संपत्ति की जगह संस्कार दीजिये

विद्वानों द्वारा धार्मिक शिक्षण शिविर मे बच्चों को पढाया धर्म का पाठ

विमल जोला. शाबाश इंडिया।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन बडा.मंदिर नसियां जैन मंदिर एवं श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में चल रहे श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में श्रद्धालुओ ने बडचड़कर भाग लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आचार्य विघासागर महाराज एवं मुनि पुंगव सुधासागर महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित शिविर के चोथे दिन बच्चों को धार्मिक संस्कार दिये जिसमें भगवान के अभिषेक, शांतिधारा, एवं पूजा अर्चना की विधि बतलाकर धर्म का महत्व समझाया। जौंला ने बताया कि शिक्षण शिविर के तहत बालक बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाया गया। ग्रीष्मकालीन शिविर में रविवार को विद्वान पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री की अगुवाई में विद्वान अरिहंत जैन शास्त्री, रोविल जैन शास्त्री, अभिषेक शास्त्री, विद्वत मोहित शास्त्री ने बच्चों को बालबोध की कक्षा का अवलोकन करके धार्मिक शिक्षण दिया गया। जौंला ने बताया कि शिविर की दिनचर्या सुबह 7 बजे से 7.30 बजे सामूहिक पूजन , 8 से 9 बजे तक बच्चों की बालबोध की कक्षा , दोपहर में 3 से 4 बजे तक महिलाओं की कक्षा तथा मंदिर जी मे सांयकाल 7 से 8 बजे तक रत्नकरण्ड श्रावकाचार और तत्वार्थ सूत्र की महिलाओं व पुरुषों की सामूहिक कक्षा , 8 से 9.30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जा रहा है।

नेटथियेट पर अहसास-ए-गजल

या खुदा कैसे जमाने आ गए, फैसला कातिल सुनाने आ गए

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज अहसास-ए-गजल कार्यक्रम में उभरते गजल सिंगर राजन सिंह शिखर ने अपनी मखमली आवाज में सुप्रसिद्ध गजलों का गुलदस्ता पेश कर मौसिकी रूबरू कराया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार राजन सिंह शिखर ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ये जूनून नही तो क्या है मै अपना करार ढूढता हूँ, मेरी वहशतें सलामत तेरा प्यार ढूंढता हूं से की। इसके बाद उन्होंने तेरी जुल्फ के ये साये हैं, नफस नफस पे छायें हैं और मेरा गुलशन ए मुहब्बत तो उजड चुका है जब अपनी पुरकशिश आवाज में इन गजल को सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे और अंत में या खुदा कैसे जमाने आ गए, फैसला कातिल सुनान आ गए और घर हुआ गुलशन हुआ सेहरा हुआ, हर जगह मेरा जुनू रूसवा हुआ पेश कर अपनी गायिकी का परिचय दिया। इनके साथ देश के जानेमाने तबला वादक प. महेन्द्र शंकर डांगी ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गजल की इस महफिल को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम संयोजन नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कैमरे मनोज स्वामी, संगीत संयोजन सागर गढवाल, मंच सज्जा मनीष योगी व अंकित शर्मा नानू की रही।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जे एस जी जनक ने वृद्धा आश्रम में किया सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप जनक द्वारा सामाजिक सेवा कार्य के अंतर्गत जोहरी बाजार महिला समिति द्वारा संचालित ओल्ड एज होम जौहरी बाजार जयपुर में अनिल जैन के जन्मदिन के अवसर पर वृद्धा आश्रम के सभी निवासियों को मिठाई नमकीन फ्रूट्स बिस्किट जूस आदि खिलाकर कर सेलिब्रेट किया। ग्रुप अध्यक्ष रश्मि जैन ने बताया कि सभी बुजुर्गो के चहेरे पर प्यारी सी मुस्कान देख कर मन प्रफुल्लित हो गया। इस अवसर पर जनक ग्रुप के पदाधिकारी नवीन- कविता जैन, ग्रुप सदस्य सीमा गोधा, पूनम, सुरभि ,रवि, राज आदि भी उपस्थित रहे।

संगिनी फॉरएवर ग्रुप का वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संगिनी फॉरएवर ग्रुप के द्वारा इमलीवाला फाटक के पास के गार्डन में लगभग 30 पौधे आरोपित कर ईश्वर की सुंदर अनमोल रचना प्रकृति की रक्षा करने का संदेश दिया गया ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि इस कार्यक्रम में सुरेंद्र पांड्या, पदम चंद बिलाला, महावीर बिंदायका की उपस्थिति रही। ग्रुप सचिव सुनीता गंगवाल के अनुसार इस कार्यक्रम में लगभग 40 सदस्यों की उपस्थिति रही। कोषाध्यक्ष उर्मिला के सानिध्य में अर्चना, बीना, अनीता, मधु आदि ने वृक्षारोपण सहित जलपान की व्यवस्था में स्नेहलता ने ठंडा ठंडा शर्बत पिलाकर पूर्ण सहयोग दिया। अंत में शकुंतला ने आए हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

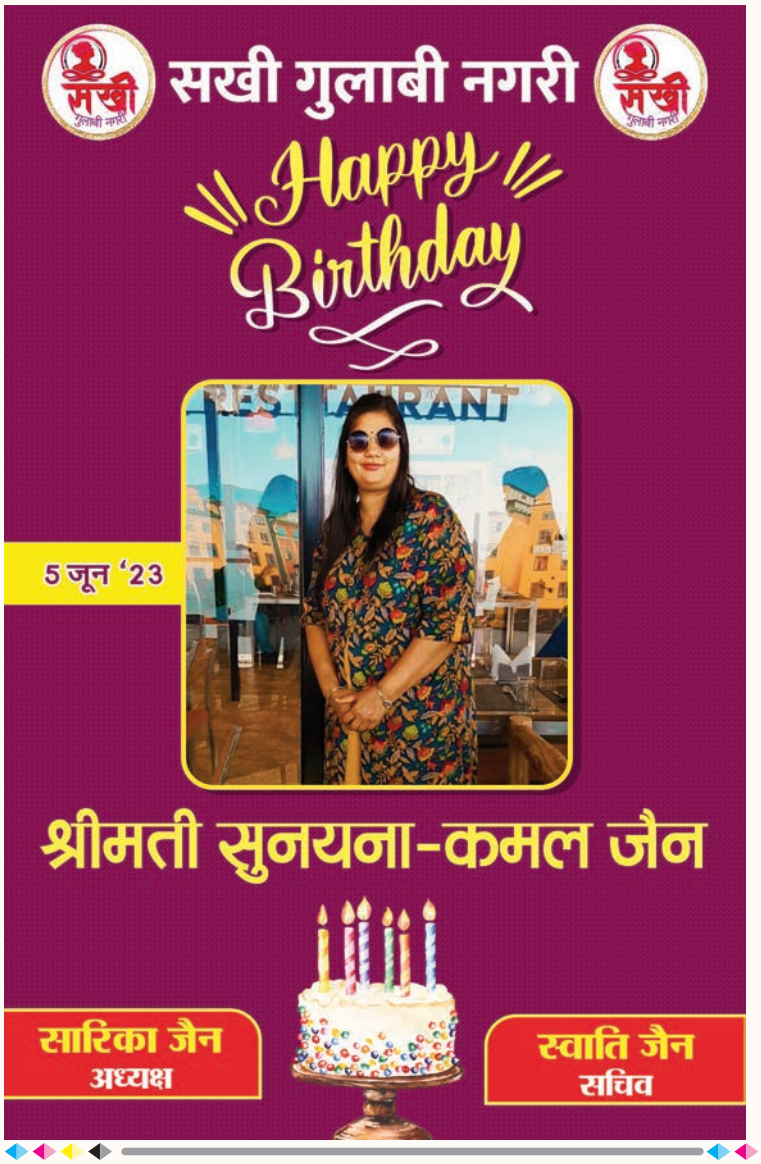

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया...

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा इस वर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस पूरे भारतवर्ष में फेडरेशन के अधीनस्थ सभी रीजन व ग्रुपों के सहयोग से मनाया जाएगा ।इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के द्वारा भी पर्यावरण दिवस के पूर्व दिवस रविवार 4 जून 2023 को प्रातः 8 बजे इमलीवाला फाटक के पास वाले पार्क में पौधारोपण कर सहभागिता निभाते हुए पौधरोपण किया गया। सम्यक ग्रुप के सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि पर्यावरण रक्षा हेतु आयोजित वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में शीशम, पीपल, जामुन, शहतूत आदि के पौधों का पार्क में रोपण किया गया।इस अवसर पर सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष महावीर-लक्ष्मी बोहरा, सचिव डॉ इन्द्र कुमार-स्नेह लता जैन, संरक्षक महावीर-शकुंतला बिंदायका, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह, महेंद्र पाटनी, सीमा ठोलिया,एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे । श्रीमाल जैन जागृति संस्था के कोषाध्यक्ष नवल जैन, संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अनिता बिंदायका, सुलोचना पाटनी, मीनाक्षी, प्रिया के साथ साथ स्थानीय नागरिक राम कुमार सिंह, मिथिलेश ने भी उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

रहन सहन वेशभूषा मर्यादित और खानपान अहिंसक होना चाहिए : आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने युवाओं को संस्कारित किए जाने पर उपदेश में बताया कि कठोर अनुशासन से जीवन संस्कारित होता है । संस्कार से जीवन सुधरता है, निखरता है। आज परिवार में परिजन खंडित हो गए हैं आचार्य श्री ने बताया कि परिवार के बुजुर्गों को सम्मान देने से आपको सम्मान मिलेगा। अनेक समाज के व्यक्ति आकर कहते हैं कि बच्चे हमारी सुनते नहीं है ,बच्चे पढ़ाई करने के लिए विदेश जा रहे हैं ,आप आशीर्वाद दीजिए तब हम उन्हें वापस भारत लौटने के लिए संकल्पित कराते हैं।ब्रह्मचारी गजू भैय्या राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने वर्तमान के खानपान , वेश भूषा पर चिंता व्यक्त करते हुए उपदेश में कहा कि फैशन के नाम पर फटे चुस्त कपड़े , धर्म स्थल,गुरुओं के सामने कपड़े मर्यादित शालीनता के होना चाहिए। खानपान पर उपदेश में बताया कि आजकल भोजन टीवी देखते हुए, मोबाइल चलाते हुए करते हैं। टीवी मोबाइल से निकलने वाली किरणें आपके भोजन को दूषित करते हैं इस कारण अनेक बीमारियां भी होती है। बच्चों को जब मोबाइल और टीवी के लिए मना करते हैं तब बच्चे भी कहते हैं कि माता-पिता भी टीवी देखते हुए मोबाइल चलाते में खाना खाते हैं, जब तक आप संस्कारित नहीं होंगे ,बुजुर्ग संस्कारित नहीं होंगे तब तक आप बच्चों को संस्कारित कैसे करेंगे ? आचार्य श्री ने उपस्थित धर्म सभा में सभी को रहन-सहन , मर्यादित खान-पान को शाकाहारी अहिंसक करने की प्रेरणा दी। जीवन को संस्कारित करने से मनुष्य जीवन सार्थक होता है। परिवार के बुजुर्ग वृद्ध आपके संकटमोचक हैं अनुभवी हैं मुनि श्री हितेंद्र सागर महाराज इसके पूर्व शिष्य मुनि श्री हितेंद्र सागर महाराज ने परिवार के अनुभवी, समझदार ज्ञानी वृद्ध बुजर्ग को सम्मान देने की प्रेरणा उपदेश में दी। उन्होंने कहा परिवार के बुजुर्ग वृद्ध आपके संकटमोचक हैं, अनुभवी हैं ज्ञानवान है। परिवार में बुजुर्गों को सम्मानजनक मुख्य कक्ष में रखना चाहिए मुनि श्री ने कर्नाटक के धर्म स्थल के समीप तीर्थहल्ली गांव का उदाहरण देकर बताया कि वहां के सभी मकानों में वृद्ध बुजुर्ग परिजनों को घर के मुख्य कक्ष में रखा जाता है बुजुर्गों को इस सम्मान देने के कारण गांव पर कोई विपत्ति नहीं आती है वृद्ध को तीर्थ रूपी संज्ञा दी है क्योंकि वृद्ध परिवार के शुभचिंतक होते हैं संस्कार देते हैं भला करते हैं।

पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण

परम पूज्य प्रथमाचार्य 108 श्री शांतिसागर महाराज के आचार्य पदारोहण के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के क्रम में वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्द्धमान सागर महाराज की प्रेरणा से सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष, समाज गौरव श्री शांतिलाल वेलावत के नेतृत्व में सरस डेयरी से बलीचा तक के सड़क मार्ग को समवशरण अनुसार विकसित करने के लिए णमोकर सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वाधान में सघन वृक्षारोपण विश्व पर्यावरण दिवस सोमवार 5 जून 2023 को किया जावेगा।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

जिनेंद्र पूजा विज्ञान...

पूजन में क्या-क्या होना चाहिए कैसी सामग्री होनी चाहिए अष्ट द्रव्यों के एकत्रित करने को क्या कहा जाता है । यह सामग्री कौन-कौन सी है। और कैसे तैयार की जाती है। अनेक महानुभाव को तो यह भी मालूम नहीं है सामग्री किसे कहते हैं, ।

उपासनात्पूजा: ऐसा महाऋषी आचार्य भगवंत समंत भद्र स्वामी ने कहा है और यही हम को समझना है। तो अब समझें,बाजार से चावल लाएं और चांवल ऐसा उत्तम होना चाहिए कि उसे धोने पर टुकड़े या चूरी ना हो, इन चांवलो को अच्छी तरह छानबीन कर साफ करें, नारियल गोले को छीलकर उसकी सुंदर एक समान चिटक की टुकड़ी बनाएं। प्रातः बेला में उठकर शुद्ध होकर ,शुद्ध वस्त्र पहन कर, घर में नैवेद्य तैयार करें। शुद्ध केसर लाएं, दीपक के लिए कपूर ,घी माचिस रूई तथा अष्टांग धूप लाएं। बाजार से फल लेकर आए, फल के लिए लोंग बादाम ,अखरोट ,सुपारी नारियल आदि भी ले सकते हैं यह सब सामान बाजार से लाकर साफ करके तैयार कर ले।

पूजा करने वाले पुरुषों को मंदिर में वस्त्र मिल जाते हैं ,यदि घर पर से पहन कर आना चाहें तो पहनने के वस्त्र, बनियान धोती -दुपट्टा अलग से कमरे में एक दिन पहले सुखा लें वही पहन कर आएं ।महिलाओं को भी पूजा के लिए दो जोड़ी कपड़े हमेशा अलग सुखाकर रखने चाहिए। यह सब कपड़े नियमित धोने चाहिए, आज पहने हुए कपड़े खोलकर ना रखें,धोकर तुरंत सुखा देवें।

स्नान करके गीले वस्त्रों को अलग रखकर शुद्ध वस्त्र पहने, फिर तैयार किए सामान को थाली में अलग अलग रख ,शुद्ध भावों के साथ नीचे चार हाथ जमीन देखकर कोई गंदगी इत्यादि ना हो जीव-जंतु पर पैर नहीं पड़ जाए, ऐसा भलि-भांति समझकर मंदिर पहुंचे। कुए का पानी छानकर भरें पाटा चौकी इत्यादि धोकर जल से भरा हुआ कलश उस पर रखें। फिर पूजा के

बर्तन ले और उन सभी बर्तनों को धोकर तैयार करें, सबसे पहले सामान अलग-अलग बर्तनों

में निकाल लें फिर केसर को घिस करके प्याली में इकट्ठा करें ,चावल को दो तीन बार साफ करके पानी निकाल ले । फिर धोकर थाली को तिरछी रख दें ताकि सारा पानी निकल जाए कल चावल को तीन भागों में अलग-अलग रखें सबसे कम अक्षत के लिए ,उससे ज्यादा पुष्प के लिए, सबसे ज्यादा अर्घ्य के लिए रखें। पुष्प के लिए जो चावल हैं उन्हें केसर मिला करके पीला कर ले।फिर खोपरे की गिरी धोकर आधी पीली रंग ले आधी सफेद रखें ।धूप में थोड़ा सा पानी डालकर गीली कर लें ।अग्नि में डालने की धूप सुखी होनी चाहिए ।लोंग बादाम सुपारी एवं लाए हुए फलों का भी धोकर मार्जन कर ले।एक कलशे में जल भरे, दूसरे में केसर मिला हुआ जल भरे, थाली में सबसे पहले सफेद चावल रखें ,फिर सीधे हाथ की तरफ पीले चावल, सफेद खोपरे की चटक, पीली चटक, दीपक धूप फल इसके अलावा सब सामग्री थोड़ी-थोड़ी मिलाकर अर्घ्य तैयार कर लें। पश्चात एक थाली में स्वास्तिक का अंकन करें स्वास्तिक इत्यादि की संख्या सम नहीं होनी चाहिए, विषम होनी चाहिए। एक चंद्राकार थाली में सबसे ऊपर बनाएं, उस पर एक बिंदु तथा नीचे तीन बिंदु लगाएं ,दो छोटी चम्मच जलधारा एवं चन्दन के लिए ले। दो थाली अभिषेक के लिए ले पूजन के लिए पहले पाटा धो कर उस पर सब सामान व्यवस्थित जमा देंवे। पांच कलशे अभिषेक के लिए भी ले सबसे पहले हमें भगवान जिनेंद्र की अभिषेक की क्रिया करनी चाहिए।पाटे पर थाली रखें उस पर श्री लिखें नो जगह तिलक लगाएं पहला ललाट पर ,दोनों कान पर, दोनों हाथ के पौंचे पर, दोनों भुजाओं पर, छाती पर, और फिर थाली के चारों ओर चार कलशे रखें, उन पर स्वास्तिक बनाएं हाथ में लेकर सौधर्म इशान इंद्र की भावना दिल में लेकर मंत्र बोलकर अभिषेक करें। अभिषेक पाठ एवं शांति धारा बोलने फिर उदक चंदन बोलकर अर्घ्य अर्पण करें। तथा गंधोदक का श्लोक बोलकर गंधोदक लगावे ।अगर मुनि आर्यिका या वृती वहां विराजमान हो तो उन्हें पहले दें और गंधोदक लेने का श्लोक पढ़ें-

निर्मलं निर्मली करणम,
पवित्रम पाप नाशसनम जिन गंधोदकम
वंदे, अष्ट कर्म विनाशकम
यह मंत्र बोलकर अपने मस्तक नेत्र आदि पवित्र अंगों पर गंधोदक लगाएं।

इसके पश्चात पूजा की पुस्तक से सबसे पहले विनय पाठ बोलकर पुष्पांजलि करें। महामंत्र का नो बार वाचन करें मन में यह भाव धारण करें की श्रद्धा ,भक्ति, विवेक पूर्वक आनंद मंगल से पूजन आरंभ करें व शांति व निर्विघ्नता पूर्वक पूजन समाप्त हो। फिर पंचकल्याण एवं पंच परमेष्ठी का अर्घ्य अर्पण करें फिर चत्तारी दंडक बोलकर फिर देव शास्त्र गुरु की पूजा आरंभ करें । नव देवता पूजा भी आरंभ में कर सकते हैं। जितनी समय की सीमा हो इतने समय तक जितनी चाहे उतनी पूजा करें। नित्य नियम पूजा की पुस्तक से चौबीस तीर्थंकर की,एवं बीस तीर्थंकर की तथा सिद्ध परमेष्ठि की ।मूलनायक भगवान जो वेदी में विराजमान हो उनकी अंत में निर्वाण क्षेत्र की पूजन करते हुए किसी तीर्थ क्षेत्र की फिर पंच परमेष्ठी की पूजन और समुच्चय अर्घ्य बोलकर शांति पाठ और विसर्जन कर आरती करें । तीन परिक्रमा लगाएं अंत में कम से कम १०-१५ मिनट का स्वाध्याय कर चिंतन मनन करते हुए फिर अपने निवास स्थान को प्रस्थान करें । यह पूजा विधि मैं इसलिए लिख रहा हूं आजकल के नव युवक व युवतीयां कहीं भी जिनालय आदि जावे तो दूसरों पर आश्रित ना रहे ,कि कोई सामग्री हमें लाकर देवें ,प्रत्येक कार्य अपने अपने हाथ से विवेक पूर्वक करेंगे तो उसका पुण्य बंध होगा। पाप क्षय होगा। हृदय में सम्यकत्व की प्राप्ति होगी जिससे जो उत्तम कुल पाया है वह सार्थक होगा।

रमेश गंगवाल
मन. 1127, मनिहारों का रास्ता,
किशनपोल बाजार जयपुर , राजस्थान
9414409133 , 8302440084

योग गुरू परमालय के सानिध्य में ध्यान योग शिविर से जीवन का अंधकार-प्रकाश में बदलें

जयपुर. शाबाश इंडिया

भवानी निकेतन पी. जी. महाविद्यालय जयपुर के प्रांगण में योग गुरू परमाल्य जी के सानिध्य में 6 दिवसीय योग शिविर के समापन दिवस पर गुरु परमाल्य द्वारा जीवन को बेहतर ढंग से जीने की कला के बारे में सभी को अवगत कराया और खान-पान से स्वास्थ्य सुधार के गुर सिखाये। इस अवसर पर सांसद रामचरण बोहरा , भाजपा पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, योगी मनीष भाई विजयवर्गीय, प्रमुख समाज सेवी प्रमोद जैन भँवर गुरु परमाल्य के परम शिष्य नरेन्द्र बैद और रामबाबू अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य सभी ने अपनी उपस्थिति देकर स्वास्थ्य लाभ लिया । शिविर पश्चात सभी के लिये एल्केलाइन नाश्ते की व्यवस्था रही।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज ग्रुपों के सहयोग से अनेकों स्थान पर होगा वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मार्गदर्शन में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रीजन के अधीनस्थ सभी ग्रुप द्वारा जयपुर में अनेक स्थानों पर एक साथ पौधे लगाए जाएंगे तथा उनके देखभाल की पौधे लगाने वाले की जिम्मेदारी तय की जाएगी । रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि फेडरेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष में ग्रुपों के सहयोग से एक ही समय पर अनेक पौधे अलग अलग शहर मे लगाये जायेंगे। महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि जयपुर रीजन में जयपुर मैन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वात्सल्य, पिंक पर्ल, तीर्थंकर, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, सन्मति, विराट, आदि ग्रुप द्वारा पौधे लगाए जाएंगे। रीजन कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर सभी ग्रुपों में पेड़ पौधे लगाने का उत्साह देखा गया।

सन्मति ग्रुप लगायेगा 21 आंवले के पेड़

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को प्रात 8.45 बजे ओमाश्रय सेवाधाम मुहाना गांव में वृक्षारोपण किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के आवाह्न पर राजस्थान रीजन के सानिध्य में कार्यक्रम सयोजक राजेश - रितु छाबड़ा के सयोजन में 21 आंवले के 6 फुट लंबे पेड़ इस अवसर पर लगाए जायेंगे।

सुभाष जैन हूमड़ बने निर्विरोध अध्यक्ष

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कनक वृंदावन गार्डन में स्थित शिव मंदिर में संरक्षक किशन बंसल की अध्यक्षता में आर.सी.व्यास सेक्टर 8 विकास समिति के चुनाव संपन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी पी.सी.जैन ने बताया कि चुनाव में अध्यक्ष सुभाष जैन हूमड़ , सचिव रामप्रकाश जागेटिया, कोषाध्यक्ष शिरीष व्यास निर्विरोध निर्वाचित हूये। यह तीनों मिलकर अपनी कार्यकारिणी का गठन करेंगे। इस अवसर पर सुरेश खंडेलवाल, कमल अग्रवाल, रमेश लड्ढा सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी के नागरिक मौजूद थे।

इंदौर रीजन द्वारा वृक्षारोपण किया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 के पूर्व दिवस पर दिनांक 4 जून रविवार को श्री 1008 पार्शनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रतिभा स्थली रेवती रेंज पर वृक्षारोपण का सफल कार्यक्रम हुआ । प्रारंभ में श्री जी का अभिषेक शान्ति धारा कर सभी ने धर्म लाभ लिया । समारोह मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व इंदौर रीजन के सभी ग्रुपो के साथ रेवती रेज प्रतिभा स्थली के पदाधिकारी फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, सामाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, सुशील पांड्या,सनत गंगवाल, हंसमुख गांधी, रितेश पाटनी, भुपेंद्र जैन एवं समस्त सोशल ग्रुप के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी बढ़ी उत्साह के साथ फलों के पौधे लगाए और संदेश दिया कि हरियाली से प्रदुषण भगाओ। इस अवसर पर दयोदय ट्रस्ट के मनोज बाकलीवाल भी उपस्थित रहे।